३ चाँद का कुरता

कविता सारांश

कविता में कवि ने चाँद को एक नटखट बच्चे की तरह कल्पना की है। ठंडी रात में चाँद अपनी माँ से शिकायत करता है कि उसे बहुत ठंड लगती है। वह माँ से ऊन का मोटा झिंगोला (कंबल/कुरता) सिलवाने की जिद करता है। माँ मुस्कराते हुए कहती है कि यह संभव नहीं है, क्योंकि चाँद का आकार रोज़ बदलता रहता है—कभी छोटा, कभी बड़ा और कभी तो बिल्कुल दिखाई ही नहीं देता। ऐसे में उसके लिए सही नाप का कपड़ा सिलवाना असंभव है।

इस प्रकार कवि ने बड़ी सहजता और हास्यपूर्ण शैली में चाँद के घटते–बढ़ते आकार को समझाया है।

मुख्य संदेश:-

- कविता बच्चों को रोचक ढंग से चाँद के घटते-बढ़ते रूप (कलाएँ) के बारे में बताती है।
- यह सिखाती है कि प्रकृति में हर चीज़ बदलती रहती है और उसका अपना नियम है।
- कल्पना और हास्य के माध्यम से सीखना आसान और आनंददायक हो जाता है।

शब्दार्थ

- **हठ करना** – ज़िद करना
- **झिंगोला** – ऊन से बना मोटा कपड़ा या कुरता
- **सन–सन** – हवा चलने की आवाज़
- **ठिठुर–ठिठुरकर** – बहुत ठंड से कांपते हुए
- **जाड़े का मौसम** – ठंड का मौसम
- **भाड़े का** – किराए का
- **सलोने** – प्यारे, सुंदर
- **कुशल करें** – रक्षा करें
- **जादू–टोना** – टोटका, तंत्र-मंत्र
- **अंगुल** – उंगली की चौड़ाई
- **फुट** – लंबाई मापने की इकाई
- **घटता–बढ़ता** – कभी कम होना, कभी ज़्यादा होना
- **नाप** – माप (कपड़ा सिलने के लिए शरीर का माप)

www.onepointlearning.com

प्रश्न - अभ्यास

बातचीत के लिए

1. **आकाश आपको कब-कब बहुत सुंदर दिखाई देता है और क्यों?**

   उत्तर:

   - सुबह-सुबह सूरज की किरणें आकाश को सुनहरा और गुलाबी रंग देती हैं।
   - शाम को सूरज डूबते समय आकाश लाल और नारंगी रंगों से चमकता है।
   - हल्की बारिश या बादलों के साथ रोशनी आने पर आकाश बहुत सुंदर लगता है।

2. **चाँद को ठंड लगती है इसीलिए वह झिंगोला माँग रहा है। सूरज क्या कहकर अपनी माँ से कपड़े माँगेगा?**

   उत्तर: सूरज अपनी माँ से कह सकता है:

   "माँ, मुझे दिन भर बहुत गर्मी फैलानी पड़ती है। मुझे भी कुछ हल्के और आरामदायक कपड़े दे दो ताकि मैं आराम से चमक सकूँ।"

3. **आपने आकाश में क्या-क्या परिवर्तन होते देखे हैं?**

   उत्तर:

   - दिन में सूरज चमकता है, रात में चाँद और तारे दिखाई देते हैं।
   - बादल आने पर आकाश का रंग बदल जाता है।
   - मौसम बदलने पर आकाश कभी नीला, कभी ग्रे, कभी सुनहरा दिखता है।

4. **जब आप अपने अभिभावक के साथ नए कपड़े खरीदने जाते हैं तब किन-किन बातों का ध्यान रखते हैं?**

   उत्तर:

   - कपड़े का रंग और डिज़ाइन पसंद आए या नहीं।
   - कपड़े आरामदायक और मौसम के अनुसार हों।
   - कपड़े की सफाई और गुणवत्ता अच्छी हो।
   - कपड़े की कीमत और बजट का ध्यान रखा जाए।

www.onepointlearning.com

कविता से

नीचे दिए गए प्रश्नों में चार विकल्प हैं। इनमें एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सही विकल्प पर चाँद का चित्र ( ) बनाइए—

1. **चाँद की माँ उसे झिंगोला क्यों नहीं दे पा रही है?**

   (क) चाँद के पास पहले से ही बहुत से झिंगोले हैं। [ ]

   (ख) चाँद के शरीर का आकार घटता-बढ़ता रहता है।

   (ग) चाँद अपने वस्त्र संभालकर नहीं रखता है।

   (घ) चाँद की माँ अभी कोई नया वस्त्र नहीं सिलवाना चाहती है। [ ]

2. **कविता में चाँद के बदलते आकार का वर्णन करने के लिए किन शब्दों का प्रयोग किया गया है?**

(क) एक अंगुल-भर चौड़ा	☑	(ग) किसी दिन बड़ा	☑
(ख) एक फुट मोटा	☑	(घ) किसी दिन छोटा	☑

3. **कविता में ठंड के मौसम का वर्णन करने के लिए किन-किन शब्दों का प्रयोग किया गया है?**

(क) ऊन का मोटा झिंगोला	☑	(ग) ठिठुर-ठिठुरकर यात्रा	☑
(ख) सन-सन चलती हवा	☑	(घ) भाड़े का कुरता	☐

सोचिए और लिखिए

1. **कविता की किन पंक्तियों से पता चलता है कि चाँद किसी एक दिन बिलकुल दिखाई नहीं देता है?**

   उत्तर:

   "कभी एक अंगुल-भर चौड़ा, कभी एक फुट मोटा,
   बड़ा किसी दिन हो जाता है और किसी दिन छोटा।
   घटता–बढ़ता रोज, किसी दिन ऐसा भी करता है,
   नहीं किसी की भी आँखों को दिखलाई पड़ता है।"

2. **सर्दी से बचने के लिए चाँद, माँ से ऊन के झिंगोले के अतिरिक्त और कौन-से कपड़े माँग सकता है?**

   उत्तर: चाँद माँ से मोटा कुरता, गर्म शॉल या ऊनी टोपी भी माँग सकता है।

3. **जाड़े के मौसम में चाँद को क्या कठिनाई होती है?**

   उत्तर: ठंड लगती है और रात भर हवा चलने के कारण वह ठिठुरता है। उसे अपना सफर पूरा करना मुश्किल लगता है।

4. **चाँद किस यात्रा को पूरा करने की बात कर रहा है?**

   उत्तर: चाँद अपने आसमान के सफर यानी रात भर आकाश में घूमने की यात्रा पूरी करने की बात कर रहा है।

www.onepointlearning.com

अभिभावक और आप

जब नीचे दी गई बातें एवं घटनाएँ होती हैं तब आपके अभिभावक क्या-क्या कहते या करते हैं? अपने-अपने अनुभव कक्षा में साझा कीजिए।

1. **जब आप ठंडी रात में सोते समय अपने पैरों से कंबल या रजाई उतार फेंकते हैं।**
   - अभिभावक कह सकते हैं: "पैरों को कंबल में रखो, ठंड से जुकाम हो सकता है।"
   - कभी-कभी हल्की डाँट भी देते हैं और ध्यान रखने के लिए समझाते हैं।

2. **जब आप ठंड में आइसक्रीम खाने का हठ करते हैं।**
   - अभिभावक कहते हैं: "ठंड में आइसक्रीम मत खाओ, पेट में दर्द हो सकता है।"
   - कभी-कभी थोड़ा समय देकर या गर्म चीज़ खाने के बाद खाने की अनुमति भी देते हैं।

3. **जब आप दूध पीने, हरी सब्जियों और फल आदि खाने से कतराते हैं।**
   - अभिभावक समझाते हैं: "ये तुम्हारे स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं, इन्हें रोज़ खाओ।"
   - कभी-कभी मज़ेदार तरीके से या खेल-खेल में खिला कर मनाते हैं।
4. **जब आप देर तक सोते हैं।**
   - अभिभावक कहते हैं: "उठो, समय पर पढ़ाई और नाश्ता करना जरूरी है।"
   - कभी-कभी धीरे-धीरे जगाकर या प्यार से समझा कर उठाते हैं।
5. **जब कोई आपके घर आपकी शिकायत करने आता है।**
   - अभिभावक पूछते हैं: "सच्चाई क्या है? ध्यान से बताओ।"
   - सही-गलत समझाकर, अनुशासन सिखाते हैं और भविष्य में ध्यान रखने की बात कहते हैं।
6. **जब आपके अच्छे कामों के लिए आपकी प्रशंसा होती है अथवा पुरस्कार मिलता है।**
   - अभिभावक खुश होकर कहते हैं: "बहुत अच्छे! ऐसे ही मेहनत करते रहो।"
   - कभी-कभी इनाम या तारीफ के साथ उत्साह बढ़ाते हैं।

अनुमान और कल्पना

1. **आप अपनी माँ से चाँद का दुखड़ा कैसे बताएँगे?**

   उत्तर: मैं अपनी माँ से कहूँगा कि चाँद को रात में बहुत ठंड लगती है। वह ऊन का झिंगोला पहनना चाहता है, लेकिन उसका आकार हर दिन बदलता रहता है, इसलिए उसे रोज़ नए कपड़े चाहिए।
2. **गर्मी और वर्षा से बचने के लिए चाँद अपनी माँ से क्या कहेगा? वह किस प्रकार के कपड़ों एवं वस्तुओं की माँग कर सकता है?**

   उत्तर: चाँद अपनी माँ से कहेगा कि उसे गर्मियों में हल्के और आरामदायक कपड़े दो और बारिश में पानी से बचाने के लिए छाता या रेनकोट जैसा कुछ दो। वह गर्मियों में पतले कपड़े और बारिश में रेनकोट या छाता माँग सकता है।
3. **चाँद ने माँ से कुरता किराए पर लाने के लिए क्यों कहा होगा?**

   उत्तर: चाँद ने माँ से कुरता किराए पर इसलिए लाने को कहा होगा क्योंकि उसका आकार हर दिन बदलता रहता है। अगर हर दिन नया कुरता बनाना पड़े तो मुश्किल हो जाएगा। इसलिए वह चाहता है कि कोई ऐसा कुरता मिले जो हर दिन उसके बदलते आकार पर फिट हो सके।
4. **यदि माँ ने चाँद का कुरता सिलवा दिया होता तो क्या होता?**

   उत्तर: यदि माँ ने चाँद का कुरता सिलवा दिया होता, तो चाँद को ठंड से आराम मिलता और वह बिना ठिठुरे रात भर आकाश में अपनी यात्रा पूरी कर पाता। लेकिन चूँकि उसका आकार बदलता रहता है, रोज़ नया कुरता बनाना मुश्किल होता।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

भाषा की बात

1. **"सन-सन चलती हवा रात भर, जाड़े से मरता हूँ।" कविता की इस पंक्ति में "भर" शब्द का प्रयोग किया गया है। अब आप 'भर' की सहायता से पाँच वाक्य अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए, जैसे - पानी गिलास भर है, उसने दिन भर पढ़ाई की आदि।**

   उत्तर: 'भर' का प्रयोग करके पाँच वाक्य

   i. पानी गिलास भर है।

   ii. उसने दिन भर पढ़ाई की।

   iii. बच्चे खेल के मैदान में खेलते हुए भर मस्ती कर रहे थे।

   iv. माँ ने थाली में सब्ज़ी भर डाली।

   v. बारिश के कारण सड़क पानी से भर गई।

2. **नीचे दिए गए वाक्यों को ध्यान से पढ़िए—**

   (क) "ठिठुरकर किसी तरह यात्रा पूरी करता हूँ।"

   (ख) "ठिठुर-ठिठुरकर किसी तरह यात्रा पूरी करता हूँ।"

   अपनी बात पर बल देने के लिए हम इस प्रकार के कुछ शब्दों का प्रयोग दो बार करते हैं, जैसे - जल्दी चलो, जल्दी-जल्दी चलो आदि। अब आप ऐसे ही पाँच वाक्य अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए।

   उत्तर: दोहराए हुए शब्दों का प्रयोग करके पाँच वाक्य

   i. जल्दी-जल्दी खाना खाओ।

   ii. धीरे-धीरे पढ़ाई करो।

   iii. हँस-हँसकर खेल रहे थे।

   iv. सोच-समझकर जवाब दो।

   v. भाग-भागकर स्टेशन पहुँचे।

3. **नीचे दी गई कविता की पंक्तियों में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया पहचानकर उन्हें दिए गए स्थानों में लिखिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए—**

पंक्ति	संज्ञा	सर्वनाम	विशेषण	क्रिया	वाक्य में प्रयोग
हठ कर बैठा चाँद एक दिन, माता से यह बोला।	हठ, चाँद, दिन, माता	यह	एक	कर बैठा, बोला	यह चाँद एक दिन हठ कर बैठा और बोला।
आसमान का सफर और यह मौसम है जाड़े का।	सफर, मौसम	यह	जाड़े का	है	यह मौसम ठंड का है और सफर लंबा था।

पंक्ति	संज्ञा	सर्वनाम	विशेषण	क्रिया	वाक्य में प्रयोग
सिलवा दो माँ, मुझे ऊन का मोटा एक झिंगोला।	झिंगोला	मुझे	ऊन का, मोटा, एक	सिलवा दो	मैंने माँ से ऊन का मोटा झिंगोला सिलवाया।
ठिठुर-ठिठुरकर किसी तरह यात्रा पूरी करता हूँ।	यात्रा	मैं	—	करता हूँ	मैं ठिठुर-ठिठुरकर यात्रा पूरी करता हूँ।

चाँद का झिंगोला

1. मान लीजिए कि चाँद, झिंगोले के लिए माँ, कपड़े के दुकानदार और दर्जी से संवाद करता है। बातचीत के कुछ अंश नीचे दिए गए हैं। आप इन्हें आगे बढ़ाइए। आप संवाद अपनी मातृभाषा में भी लिख सकते हैं।

चाँद और माँ का संवाद

- **चाँद : माँ, मुझे बहुत ठंड लगती है! मेरे लिए एक मोटा झिंगोला सिलवा दो!**
- **माँ : तुझे सच में ठंड सताती होगी लेकिन एक समस्या है।**
- **चाँद : समस्या? कैसी समस्या, माँ?**
- **माँ : तेरा आकार तो प्रतिदिन बदलता रहता है। कभी छोटा, कभी बड़ा, कभी एकदम गायब! मैं कैसे नाप लूँ?**
- **चाँद : (सोचकर) अरे हाँ! लेकिन फिर भी कोई उपाय तो होगा?**
- **माँ** : शायद हम ऐसा कुछ ढूंढें जो लचीला हो और हर आकार पर फिट हो जाए।
- **चाँद** : हाँ, माँ! कोई ऐसा झिंगोला हो जो मेरे आकार के अनुसार अपने आप बदल जाए।
- **माँ** : ठीक है, हम दुकानदार से जाकर लचीला कपड़ा और दर्जी से बात करेंगे।
- **चाँद** : वाह! फिर मैं अब ठंड से डरकर नहीं काँपूँगा और रात भर आकाश में अपनी यात्रा पूरी कर पाऊँगा।

चाँद और कपड़े का दुकानदार

- **चाँद : दुकानदार जी, मुझे एक गरम कपड़ा चाहिए जिससे मेरी सर्दी दूर हो जाए।**
- **दुकानदार : अवश्य, कितने मीटर चाहिए?**
- **चाँद : यही तो समस्या है! मैं कभी छोटा होता हूँ, कभी बड़ा। आप ही बताइए... कितने मीटर लूँ?**
- **दुकानदार: : (हँसकर) अरे छोटू चाँद! जब आपका नाप ही तय नहीं तो कपड़ा कैसे दूँ? पहले नाप तो तय करके आओ।**
- **चाँद** : (सोचते हुए) हाँ, आप सही कह रहे हैं। फिर मैं माँ से सलाह लेकर आऊँगा।

- **दुकानदार** : बिलकुल, तभी हम सही माप के अनुसार कपड़ा दे पाएँगे।
- **चाँद** : ठीक है, मैं जल्दी ही आकर लचीला और गरम कपड़ा लूँगा।

चाँद और दर्जी का संवाद

- **चाँद : दर्जी जी, मेरे लिए एक कुरता सिल दीजिए।**
- **दर्जी : बिलकुल! लेकिन पहले नाप तो दो।**
- **चाँद : यही तो समस्या है! कभी मैं छोटा, कभी बड़ा हो जाता हूँ।**
- **दर्जी : (हँसते हुए) तो फिर ऐसा करो, प्रतिदिन मेरे पास आओ और मैं प्रत्येक दिन तुम्हारे नाप का नया कुरता सिल दूँगा!**
- **चाँद : (प्रसन्न होते हुए) फिर तो मुझे प्रतिदिन नए कपड़े मिलेंगे! लेकिन माँ मानेंगी नहीं!**
- **दर्जी** : कोई बात नहीं, मैं तुम्हारी माँ से भी बात कर दूँगा। हम मिलकर समाधान निकालेंगे।
- **चाँद** : सच में? वाह! फिर मैं ठंड से डरकर काँपने की बजाय खुश होकर रात भर आकाश में घूम पाऊँगा।
- **दर्जी** : हाँ, छोटू चाँद! अब तुम आराम से अपनी यात्रा पूरी कर सकते हो।
- **चाँद** : धन्यवाद, दर्जी जी! आप सच में बहुत अच्छे हैं!

2. अब आप इन संवादों पर कक्षा में शिक्षक की सहायता से अभिनय कीजिए।

उत्तर: कक्षा में छात्राए और शिक्षक दोनों मिलके ये अभिनय स्वयं कीजिए।बुझो तो जानें

कविता से आगे

1. **क्या चाँद की तरह आप भी अपनी माँ से किसी वस्तु के लिए हठ करते हैं? आप अपनी माँ को इसके लिए कैसे मनाते हैं?**

   उत्तर: हाँ, मैं कभी-कभी अपनी माँ से किसी चीज़ के लिए हठ करता हूँ, जैसे कोई खिलौना या पसंदीदा चीज़। मैं उन्हें प्यार से और अच्छे तरीके से समझाता हूँ कि मुझे वह चीज़ क्यों चाहिए। कभी-कभी मैं अपने अच्छे व्यवहार या मदद करके भी माँ को मनाता हूँ।

2. **आपकी माँ आपको किसी काम के लिए कैसे मनाती हैं?**

   उत्तर: मेरी माँ मुझे किसी काम के लिए प्यार से समझाती हैं और बताती हैं कि वह काम क्यों जरूरी है। कभी-कभी वह खेल-खेल में या मज़ेदार तरीके से मुझे काम करने के लिए उत्साहित भी करती हैं।

3. **गरमी, सर्दी या वर्षा से बचने के लिए आपकी माँ आपको क्या कहती अथवा क्या-क्या करती हैं?**

   उत्तर: गरमी में माँ मुझे हल्के और आरामदायक कपड़े पहनने और खूब पानी पीने को कहती हैं। सर्दी में वह मुझे गरम कपड़े, स्वेटर, मोज़े और रजाई में सोने को कहती हैं। बारिश में माँ मुझे छाता और रेनकोट पहनने को कहती हैं और गीले होने से बचाती हैं।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

सोचिए, समझिए और बताइए

1. **मान लीजिए कि चाँद बोल नहीं सकता। अब वह अपनी माँ को अपनी बात कैसे बताएगा?**

   उत्तर: अगर चाँद बोल नहीं सकता, तो वह अपनी माँ को हाव-भाव और इशारों से अपनी ठंड और झिंगोले की जरूरत बता सकता है। वह काँपने का अभिनय कर सकता है या अपने हाथों और चेहरे के भाव से ठंड लगने का संकेत दे सकता है। इसके अलावा, वह अपने आकार को दिखाने के लिए हाथ से आकार बनाने का तरीका भी इस्तेमाल कर सकता है।

2. **मान लीजिए कि चाँद का एक मित्र है जो देख नहीं सकता। चाँद उसे अपने बदलते हुए आकार के बारे में कैसे समझाएगा?**

   उत्तर: चाँद अपने मित्र को अपने बदलते हुए आकार के बारे में छूकर या स्पर्श कराकर समझा सकता है। वह बता सकता है कि कभी वह छोटा लगता है, कभी बड़ा, और कभी गायब सा हो जाता है। इसके अलावा, वह शब्दों या आवाज़ के माध्यम से भी समझा सकता है, जैसे "अब मैं छोटा हो गया हूँ" या "अब मैं बड़ा हो गया हूँ।"

पढ़िए और समझिए

1. **चाँद के लिए कुरता सिलना एक कठिन कार्य है। इसलिए चाँद की माँ ने उसका कुरता सिलवाने के लिए एक विज्ञापन प्रकाशित किया है। इसे पढ़िए और इसका प्रचार-प्रसार कर चाँद की माँ की सहायता कीजिए—**

विज्ञापन

चाँद की माँ की विशेष घोषणा!

क्या आप हैं सबसे कुशल दर्ज़ी?

क्या आप सिल सकते हैं ऐसा कुरता जो प्रतिदिन बदलते आकार में भी फिट आए?

समस्या: मेरा बेटा चाँद कभी एक अंगुल-भर छोटा तो कभी एक फुट मोटा हो जाता है। उसके लिए एक ऐसा कुरता चाहिए जो हर दिन उसके शरीर में फिट बैठ सके।

आवश्यकता

ऐसा कुरता जो अपने-आप छोटा-बड़ा हो सके

ऊन का मोटा झिंगोला ताकि ठंड से बच सके

यदि कुरता नहीं बन सकता तो भाड़े का भी चलेगा!

पुरस्कार

जो भी दर्ज़ी इस अद्भुत कुरते को सिलने में सफल होगा, उसे मिलेगा विशेष पुरस्कार!

स्थान: चाँद की माँ का घर

संपर्क करें: आकाशवाणी से संदेश भेजें

शीघ्र आवेदन करें क्योंकि चाँद ठंड से ठिठुर रहा है।

उत्तर: चाँद की माँ का विज्ञापन (पढ़कर प्रचार करने के लिए)

चाँद की माँ की विशेष घोषणा!

क्या आप हैं सबसे कुशल दर्ज़ी?

क्या आप सिल सकते हैं ऐसा कुरता जो प्रतिदिन बदलते आकार में भी फिट आए?

समस्या: मेरा बेटा चाँद कभी एक अंगुल-भर छोटा तो कभी एक फुट मोटा हो जाता है। उसके लिए एक ऐसा कुरता चाहिए जो हर दिन उसके शरीर में फिट बैठ सके।

आवश्यकता:

- ऐसा कुरता जो अपने-आप छोटा-बड़ा हो सके
- ऊन का मोटा झिंगोला ताकि ठंड से बच सके
- यदि कुरता नहीं बन सकता तो भाड़े का भी चलेगा!

पुरस्कार:

जो भी दर्जी इस अद्भुत कुरते को सिलने में सफल होगा, उसे मिलेगा विशेष पुरस्कार!

स्थान: चाँद की माँ का घर

संपर्क करें: आकाशवाणी से संदेश भेजें

शीघ्र आवेदन करें क्योंकि चाँद ठंड से ठिठुर रहा है।

2. **अब एक रोचक विज्ञापन तैयार कीजिए जिसमें आप अपने लिए कोई वस्तु मँगवा रहे हों।**

उत्तर: रोचक विज्ञापन (अपने लिए वस्तु मँगवाने के लिए)

विशेष घोषणा!

क्या आप हैं सबसे कुशल खिलौना निर्माता?

क्या आप बना सकते हैं ऐसा खिलौना जो खुद चल सके और हर दिन नया खेल दिखा सके?

समस्या: मैं हमेशा नए खेल पसंद करता हूँ। मेरे लिए ऐसा खिलौना चाहिए जो हर दिन बदलते मज़ेदार काम कर सके।

आवश्यकता:

- अपने आप चलने वाला और मज़ेदार
- रंग-बिरंगा और सुरक्षित
- यदि नया खिलौना नहीं बन सकता तो पुराने में नए गेम भी चलेगा!

पुरस्कार:

जो भी यह अद्भुत खिलौना बना देगा, उसे मिलेगा विशेष सम्मान और धन्यवाद!

स्थान: मेरा कमरा

संपर्क करें: घर के पते पर

जल्दी करें, मैं इंतजार कर रहा हूँ!

www.onepointlearning.com

आपकी कलाकारी

आइए, चाँद के लिए एक कुरता बनाएँ।

सामग्री: रंगीन कागज़, गोंद, कैंची, ग्लिटर, कपड़े के छोटे टुकड़े

बनाने की विधि

चाँद का एक बड़ा चित्र बनाइए।

अब अलग-अलग रंगीन कागज या कपड़े के टुकड़ों से चाँद के लिए सुंदर कुरता तैयार कीजिए।

ग्लिटर या सितारों की आकृति बनाकर उसे सजाइए।

अब तैयार कुरते को कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

उत्तर: स्वयं कीजिए।

पुस्तकालय एवं अन्य स्रोत

1. **पुस्तकालय में चाँद, सूरज, तारे, आकाश आदि पर बहुत-सी रोचक, मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक पुस्तकें अवश्य उपलब्ध होंगी। उन पुस्तकों को ढूँढ़कर पढ़िए और उनके बारे में कक्षा में भी चर्चा कीजिए।**

   उत्तर: पुस्तक नाम (बच्चों के लिए उपयुक्त)

   - **हमारा सौरमंडल –** चाँद, सूरज और ग्रहों की जानकारी के लिए
   - **तारों की दुनिया –** तारे और नक्षत्रों के बारे में रोचक तथ्य
   - **चाँद और उसके रहस्य –** चाँद की उत्पत्ति, बदलते आकार और क्रियाएँ
   - **सूरज और उसका महत्व –** सूर्य के बारे में विज्ञान और रोचक बातें
   - **आकाश के अजूबे –** आकाश, ग्रहों, उपग्रहों और अंतरिक्ष के बारे में
   - **बच्चों के लिए खगोल विज्ञान –** सरल भाषा में आकाशीय पिंडों और ग्रहों का परिचय
   - **तारे और नक्षत्र –** रात के आकाश में चमकते तारे और उनके नाम

2. **अपने शिक्षक, पुस्तकालय प्रभारी और मित्रों की सहायता से चाँद तथा सूरज की बदलती स्थितियों की और भी जानकारी प्राप्त कीजिए। यह भी पता लगाइए कि चंद्र ग्रहण एवं सूर्य ग्रहण कब-कब और क्यों होते हैं। आप अपने माता-पिता या अभिभावक से भी इनके बारे में बात कर सकते हैं।**

   उत्तर:

   मैं अपने शिक्षक, पुस्तकालय प्रभारी और मित्रों की सहायता से चाँद और सूरज की बदलती स्थितियों के बारे में जानकारी प्राप्त करूँगा। जैसे, चाँद हर रात आकाश में अलग-अलग जगह पर दिखाई देता है और उसका आकार भी बदलता है। सूरज भी दिन के समय अलग-अलग स्थान पर दिखाई देता है और मौसम के अनुसार उसकी रोशनी और गर्मी बदलती रहती है।

   मैं यह भी जानूँगा कि चंद्र ग्रहण तब होता है जब पृथ्वी, सूर्य और चाँद के बीच आ जाती है और चाँद पृथ्वी की छाया में छिप जाता है। और सूर्य ग्रहण तब होता है जब चाँद, पृथ्वी और सूरज के बीच आ जाता है और सूरज का प्रकाश पृथ्वी पर नहीं पहुँच पाता।

   मैं अपने माता-पिता या अभिभावक से भी इन विषयों के बारे में बात करूँगा ताकि और अच्छे से समझ सकूँ और अपने मित्रों के साथ कक्षा में चर्चा कर सकूँ।

बुझो तो जानें

1. **तन है मेरा हरा-भरा, रस से रहता सदा भरा। भीतर से हूँ मैं लाल, प्यास बुझाकर पूछूँ हाल।**

   उत्तर: तरबूज

2. **हम दोनों हैं पक्के मित्र, करते रहते काम विचित्र। पाँच-पाँच सेवक हैं साथ, लेकिन करते कभी न बात।**

   उत्तर: हाथ का पंजा

www.onepointlearning.com